डॉ॰ संगीता राय
संस्कृत विभाग
एच. डी. जैन कॉलेज , आरा

विभिन्न भाषा परिवार :—

अफ्रीका खण्ड

i) सूडानी परिवार :— इस परिवार की भाषाएँ अफ्रीका में भूमध्य रेखा के उत्तर में पश्चिम से पूर्व तक बोली जाती है। इसके उत्तर में हामी परिवार है तथा दक्षिण में बान्टू परिवार है। इसकी प्रमुख भाषाएँ — वुले , मन-फू , कनूरी , नीलोरिक , बन्टूइड , हौसा आदि है। मूलतः इस परिवार में लगभग 435 भाषाएँ है। सूडानी भाषाएँ चीनी भाषा के समान अयोगात्मक है। धातुएँ एकाक्षरी है तथा विभक्तियों का सर्वथा अभाव है।

ii) बान्टु परिवार :→ इस परिवार का क्षेत्र दक्षिण अफ्रीका का अधिकांश भाग एवं जंजीबार द्वीप है। इसके दक्षिण में हौतेन्तौत - बुशमैनी है और उत्तर में सूडान परिवार। इस परिवार में लगभग 150 भाषाएँ है। इसकी प्रमुख भाषाएँ जूलू , काफिरी , स्वाहिली , सेसुतो , हेरेरो , कांगो आदि है। बान्टु परिवार की भाषाएँ अश्लिष्ट-पूर्व योगात्मक है।

iii) हौतेन्तौत - बुशमैनी (खोइन) परिवार :→ इसका क्षेत्र दक्षिण - पश्चिमी अफ्रीका तथा ओरेंज नदी से न्गामी झील ~~अफ्रीका~~ तक है। इसकी प्रमुख भाषाएँ बुशमैन (सान) हौतेन्तौत (नामा), दमारा तथा सन्दवे आदि है। ये बुशमैन अपने आपको खोइन (मनुष्य) कहते है। अतः खोइन परिवार भी कहा जाता है। 'क्लिक' या अन्तः स्फोटात्मक ध्वनियाँ इस परिवार की प्रमुख विशेषताएँ है। इसमें बोलने में श्वास अन्दर खींचा जाता है।

अमरीका खण्ड :—

अमरीका परिवार :— इस परिवार का क्षेत्र सम्पूर्ण उत्तरी एवं दक्षिण अमरीका है। इन भाषाओं की कुल संख्या 1000 के लगभग है। इसका पूर्ण अध्ययन नहीं हुआ है। ये भाषाएँ अश्लिष्ट योगात्मक हैं। इस परिवार को तीन भौगोलिक रूप में विभक्त किया गया है —

i) कनाडा तथा संयुक्त राज्य — इसमें अथपस्कन, अल्गोनकिन होका, सिउई तथा यूरोक्वा आदि भाषाएँ हैं।

ii) मैक्सिको तथा मध्य अमरीका — इसमें अज्तेक, मय तथा नहुअल्ल आदि भाषाएँ हैं।

iii) दक्षिण अमेरिका — इसमें अवरक, चिवान्चा, तुपी-गुअनी, करीब तथा कुस्चुआ आदि भाषाएँ हैं।

प्रशान्त महासागरीय खण्ड :—

i) मलय-बहुद्वीपीय परिवार :— इसको 'मलय-पोलिनेशियाई' या 'मलय-आस्ट्रोनेशियाई' भी कहा जाता है। इसका क्षेत्र पश्चिम में अफ्रीका के मेडागास्कर द्वीप से लेकर पूर्व में ईस्टर द्वीप तक तथा उत्तर में फारमोसा से लेकर दक्षिण में न्यूजीलैण्ड तक ~~एवं~~ इसमें सुमात्रा, जावा बोर्नियो ~~आदी~~ आदि द्विप भी सम्मिलित है। इस परिवार में बहुत सारे भाषा हैं जिनमें साहित्यिक भाषाएँ कम हैं। इसकी प्रमुख भाषाएँ मलाया तथा सुमात्रा में मलय, जावा में जावी तथा सुन्दिपन बोर्नियो में दयक, पफारमोसा में फारमोसी, फिलपीन की ~~[illegible]~~ 'तगल' फिजी में फिजीयन, न्यूजीलैण्ड में मओरी, टोंगा द्वीप में टोंगन एवं समोआ द्वीप में समोअन आदि हैं।

II) पापुई परिवार :→ इस परिवार का क्षेत्र मलाया और पोलिनेशिया के मध्य न्यूगिनी, सोलोमन, द्वीप समूह तथा न्यू- ब्रिटेन के कुछ भाग है। इस परिवार में लगभग 132 भाषाएँ हैं। न्यूगिनी को प्रमुख भाषा 'मफीर' इसी परिवार की है।

III) आस्ट्रेलियाई परिवार :— इस परिवार का क्षेत्र सम्पूर्ण ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप एवं तस्मानिया है। इसकी प्रमुख भाषाएँ मैकवारी तथा कामिलरोई है। इसमें लगभग 100 भाषाएँ बोली जाती हैं।

IV) दक्षिणपूर्व एशियाई अथवा आस्ट्रो-एशियाटिक परिवार – इस भाषा परिवार का क्षेत्र पश्चिम में भारत का पहाड़ी भाग, मध्यप्रदेश एवं उड़ीसा का कुछ भाग एवं पूर्व में अन्नाम, श्याम, कम्बोडिया तथा दक्षिण में निकोबार द्वीप समूह हैं। इसकी प्रमुख भाषाएँ पश्चिम में मुण्डा या कोल मध्य में मौनख्मेर, पूर्व में अनामी, मुआङ् तथा दक्षिण निकोबार आदि है।

—x—